DEEBALI

WALL MAGAZINE

2025-2026 (III)

PAHAL MANOBHAV

संपादकीय

पहल मनोभाव

मैत्रीपूर्ण वातावरण का निर्माण तथा आनंद के साथ रचना करने तथा सीखने में दीवार पत्रिका की अहम भूमिका है। छात्र जीवन सीखने बढ़ने और अपने व्यक्तित्व को विकसित करने का महत्वपूर्ण समय होता है। इस अवस्था में "पहल मनोभाव" यानी किसी अच्छे कार्य की शुरुआत मन की भावना से करने का छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है। पहल मनोभाव वह शक्ति है जो छात्र को निष्क्रियता से बाहर निकालकर सक्रिय बनाती है और उसे अवसरों को पहचानने तथा उनका उपयोग करने में मदद करती है।

कक्षा में पहल करने वाला छात्र हमेशा सीखने के प्रति उत्सुक रहता है। वह कठिन विषयों को समझने का प्रयास करता है, शिक्षक से प्रश्न पूछता है और पढ़ाई में नई विधियों का प्रयोग करता है। यह गुण उसके आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उसे पढ़ाई में बेहतर परिणाम प्राप्त करने में सहायता करता है।

पहल मनोभाव केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है। विद्यालय / महाविद्यालय आयोजित विभिन्न गतिविधियों पहल दिखाने वाले छात्र अलग ही पहचान बनाते हैं। ये गतिविधियाँ उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन टीम वर्क और समस्याओं को हल करने की योग्यता विकसित करती है।

पहल मनोभाव छात्रों के संपूर्ण व्यक्तित्व को निखारता है। यह न केवल उन्हें पढ़ाई में बेहतर बनाता है बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच का विकास करता है। इसलिए प्रत्येक छात्र को चाहिए कि वह संकोच छोड़कर हर अच्छे कार्य में पहला कदम उठाए, क्योंकि पहल ही प्रगति की सबसे मजबूत नींव है।

आज के समय में छात्रों की भूमिका केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रह गई है। उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे समाज और विद्यालय दोनों में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखे। ऐसे में "पहल मनोभाव" छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण पथ बन जाता है। समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना और दूसरों को प्रेरित करना।

पहल मनोभाव छात्रों में नेतृत्व, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना का विकास करता है। इससे वे सिर्फ किताबों के ज्ञान में नहीं बल्कि जीवन के व्यवहारिक अनुभवों में भी आगे बढ़ते हैं। यदि विद्यार्थी केवल दर्शक बनकर खड़े रहेंगे तो समाज में बदलाव संभव नहीं होगा, लेकिन यदि वे सक्रिय होकर काम करेंगे तो वे स्वयं भी सीखेंगे और अपने आस-पास के लोगों को भी प्रेरित करेंगे।

छात्राओं में लेखन के प्रति रुचि होना कोई आम प्रवृत्ति नहीं है। कुछ ही लोगों में जिनमें यह रुचि स्वभाविक रूप से पायी जाती है। रुचि हो भी तो मौलिकता दुर्लभ होती है। निरंतर अध्ययन और अभ्यास मौलिकता का जन्म होता है। इसके लिए निरंतर लेखन कौशल पर काम करने की पहल करने की आवश्यकता होती है।

जब छात्र पहल करते है तभी भविष्य उज्ज्वल बनता है। "पहल मनोभाव" ही उन्हें जीवन में सशक्त और सफल बनाता है।

अगला संस्करण - "नव ज्योति"

Editorial Board

Acknowledgment

- Katyani Deo
- Anjali Kumari
- Shalili Kumari
- Nishi Hembrom
- Deepshikha
- Ankita
- Seru
- Roji
- Divya
- Bindu
- Jyoti
- Akanksha Kumari
- Praliksha Kumari
- Anupama
- Riya
- Devyani Murmu
- Anita Hansda
- Somya
- Khusboo Kumari
- Kajal
- Ritika
- Shalini Raj
- Shivani
- Akansha Kumari
- Eqra Sohail Khan.

पहल मनोभाव

जिसके आँगन में बच्चा नही
वो टूटी नही होती है।
पहल मनोभाव का दीप लिये,
वो फिर भी जीना सीखती है।

दुनियाँ चाहे कुछ भी बोले
वो हिम्मत से मुस्कुना रखती है।
माँ होना सिर्फ जन्म नहीं
प्यार से परिभाषा लिखती है।
दर्द को दिल में रखकर भी,
वो सपनो सपनो को थामे रहती है।
पहल मनोभाव यही तो है
जहाँ लड़की हारकर भी जीतती है।

Name – Roshni Kumari
Class – D. El. Ed (1st Year)
Roll no – 47

Pahal Manobhav

The First Impulse

When my heart feels a gentle
Whispering "Step ahead, don't wait
That silent urge inside is the spark
That turns a thought into fate

The first wish in the secret mind
A hope, a dream, or silent, vow
It's the courage to stant to lead the way
Thats the sprit of "Pahal Manobhav" now

So let your heart listen closely
Whenever Kindness calls from within
for each new journey
When we let that first feeling win

Anjali
D.El.Ed. (2025-27)

पहल मनोभाव

जहां ठहर जाए सोच अगर,
वहां कदम बनाना सीखो।
जहां अंधेरा गहराए मन में,
वहां दीप जलाना सीखो।

पहल वही जो दिल से निकले,
स्वार्थ नहीं, सत्यभाव रखे।
एक मुस्कान से बदल दे दुनिया,
ऐसी सच्ची लगन रखे।

कदम छोटे हों या बड़े,
हर सच्चाई साथ रहे।
हर कठिनाई में आगे बढ़ना,
यह पहल की बात रहे।

न दूसरों से हो प्रतियोगिता,
न दिखावे की कोई चाह।
जो करे मन से सेवा मानव की,
वही सच्चा पहल मनोभाव।

नाम - अनुपमा कुमारी
कक्षा - डी. एल. एड (प्रथम वर्ष)
क्रमांक - 50

पहला मनोभाव

नए रंग में हर दिन को सजाएँ
आसमान से नयी उम्मीदें लाए।
खुद पर विश्वास लिए आगे बढ़े,
सपनों को थामे हर कदम रखें।

मिट्टी की खुशबू मे पहला स्पर्श,
दिल की ताकत से विश्वास का वर्ष।
रास्ता कठिन सही, डरता नहीं,
पहल का मनोभाव ही रोशनी बनी।

ना हारें, ना रुके, चलते ही जाएँ,
सपनो की धुन मे जीवन सजाए।
जो भी करे, दिल से करें हर काम
पहला मनोभाव ही देगा नया अंजाम

Name - Riya Kumari
Roll No. - 25
Class - D. El. Ed

Pahal Manobhav

When the world waits in silent
Be the one who takes the first
For every journey begins
with a heart that dares to try

Do not waits for perfect moments
Creat them with your courage
Let your action speak Louder
Than doubts that whisper "not now"

The road may seem uncertain
But your will can light the way
A Single spark of initiative
Can turn dark into day

Dream move only when you do
So rise Begin and lead
Those who takes initiative
Are the ones, the world will follow

-Anamika Hembrom
B.Ed. Sem-III
Roll - 25

पहल मनोभाव

पहल मनोभाव जगाए हिम्मत,
देता नए सफर की राह।
छोटा कदम भी बदलाव लाए,
मन में भर दे नई चाह।

Name- Shomya singh
class- D.El.Ed (1st year)
Roll-no-04
Session - 2025-2027

पहल मनोभाव

पहल, बीज-सी होती है,
नन्ही, शांत,
पर उसमें छिपे होते हैं
पूरे जंगल के सपने।
एक हल्की-सी कोशिश भी
समय के साथ
बन जाती है किसी की उम्मीद,
किसी की दिशा,
किसी की सुबह।

मनोभाव,
मन का रंग है,
कभी कोमल धूप,
कभी बादलों की भीगी परछाई।
ये वो स्पर्श है
जो शब्दों से पहले जन्म लेता है,
और चुप्पियों को भी
कविता बना देता है।
जब पहल मन में उठे
और मनोभाव उसे राह दिखाए
तो इंसान सिर्फ चलता नहीं-
संवरता है, निखरता है,
संभावनाओं के दरवाजे
खुलते चले जाते हैं।

Name - Sunita Tudu
class :- B.ed Sem III
Rollno - 14
Sec - 'A'

पहल मनोभाव

कौन कहता है कामयाबी
किस्मत से मिलती है,
किस्मत भी उसी का साथ
देती है,
जो दिल से मेहनत करता
है।

पहल मनोभाव

कविता

जब मन ने उठे पहली किरण,
नई सोच की, उजली सरन
तब हर दिशा मुस्काने लगी
और जीवन में रंग भरने लगी।

पहल मनोभाव वो बीज है,
जो परिवर्तन की राह दिखलाए,
जो ठहरे जन में लहर बन जाए,
और थमे पाँवों को चलना सिखलाए।

जब जब जागे सृजन की ओर
तो रुकावट भी साथी बन जाए
पथ चाहे कठिन, पर प्यारा लगे
हर कोशिश भी सुनाम (?) बन जाए।

पहल मनोभाव वो चिंगारी है
जो सपनों को हकीकत बनाए
जो नीरव की शक्ति को जगाए,
और "मैं" भी कर सकता हूँ, कहलाए।
चलो उठें, नई दिशा में बढ़ें
हर दिन को नया उत्सव करें
क्योंकि हर परिवर्तन की जड़ में
बस एक पहल मनोभाव रहे।

Name - Sulekha Kumari
Roll no - 14
class - D.El.Ed

पहल मनोभाव

बढ़े चलो

फूल बिछे हो या कांटे हो।
राह न अपनी छोड़ो तुम।
चाहे जो विपदायें आयें,
मुख को जरा न मोड़ो तुम।
साथ रहे या रहे न साथी,
हिम्मत मगर न छोड़ो तुम।
नहीं कृपा की भिक्षा मांगो,
कर न दीन बन जोड़ो तुम।
बस ईश्वर पर रखो भरोसा,
पाठ प्रेम का पढ़े चलो।
जब तक जान बनी हो तन में,
तब तक आगे बढ़े चलो।

Name - Anjali Kumari
Roll no - 22
Class - D.El.Ed (1st year)

पहल मन में जगाओ

बदलाव की किरण वहीं उगती,
जहाँ मन में पहल जगाती।
छोटे कदम भी बड़े बन जाते,
जब नीयत साफ बनाती।

उन्नति की पहली सीढ़ी है
बस एक हिम्मत भर का काम।
जो आगे बढ़ने की ठान ले,
उसके कदम थकते कब शाम।

पहल मनोभाव साथ हो जब,
हर राह आसान हो जाती।
सपनों के दरवाजे खुलते,
मंज़िल भी पैरों में आती।

Name - Pramila Soren
class - B.Ed (A)
Session - 2024-26

पहल मनोभाव

किसी ने बादलों का इंतजार ना किया
खुद ही मिट्टी चीर के सूरज उगा लिया
कदम ने नक्शों से पूछा भी नहीं
सिर्फ हिम्मत थी, खुद रास्ता बना लिया।

दुनिया, तालियाँ बाद में बजाती है,
पहले तो हर कोशिश पर सवाल करती है,
पर पहल वह आग है जो
तानों में भी रोशनी बरसाती है।

नाम - सुशीला मुर्मू
क्लास - B.Ed Sem (?)
रोल नं - 18

पहल मनोभाव (कविता)

पहल वही जो आगे बढ़कर,
नया मार्ग दिखलाती है।
मन में साहस भर देती है,
हर बाधा मिट जाती है।

जो पहला कदम रख देता,
वह ही राह बना पाता है।
डर को पीछे छोड़-छोड़कर
विश्वास नया जगाता है।

पहल मनोभाव सीख हमें,
परिश्रम का संदेश देता।
नन्हा-सा हर छोटा प्रयास,
सफलता का रूप ले लेता।

चलो पहल हम आज ही करें,
कुछ अच्छा करें की ठानें।
बदलाव की लौ जलाकर हम
नयी दिशा दुनिया को दें।

Name - Nishu kumari
Class - B.Ed
Roll no - 116

पहल मनोभाव

पहल वही जो दिल से निकले,
मन में जो उजियारा जगे।
छोटे कदम भी बदलें दुनिया,
जब हौसला भीतर जले।

सोच नई, दिशा निराली,
विश्वास बना जीवन साथी।
हार नहीं, बस सीख हमारी,
हर गिरावट में जीत छुपी न्यारी।

चलो उठाएँ नया विचार,
यही है "पहल मनोभाव" का आधार।

Name - Preity Kumari
Roll - 06

पहल मनोभाव

पहला कदम जो बढ़ाता है,
वो नई राह बनाता है।
हिम्मत से जो काम करे,
हर मंजिल वो नाम करे।

अंधियारे में दीप जलाए,
डर को पीछे दूर भगाए।
पहल से सपने सच होते,
जीवन में उजियारे होते।

Name - Mandakini Kumari
Roll - 16
Class - D.El.Ed (1st year)

पहल मनोभाव

बीज ने बादलों का इंतजार ना किया
खुद ही मिट्टी चीर के सूरज बुला लिया
कदम ने नक्शे से पूछा की नहीं,
जिधर हिम्मत थी, उधर रास्ता बना लिया

दुनिया तालियाँ बाद में बजाती है,
पहले तो हर कोशिश पर सवाल करती है,
पर पहल वह आग है जो
तानों में भी रोशनी बरसाती है।

नाम - सुनीला मुर्मु
वर्ग - B.Ed. Sem-III
क्रमांक - 18

पहल मनोभाव पर कविता

एक छोटे से गाँव में आरती नाम की लड़की रहती थी, वह बहुत ही प्यारी थी, समझदार और मेहनती थी, आरती हमेशा सबकी मदद करती थी लेकिन उसे अपने मन के भावों को शब्दों में कहने की आदत नहीं थी। एक दिन उसके स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता रखी गई। आरती को रंग भरना बहुत पसंद था, पर उसने कभी किसी को नहीं बताया जब अध्यापिका ने प्रतियोगिता की घोषणा की तो आरती के मन में पहला विचार आया – "क्या मैं भी भाग ले सकती हूँ" लेकिन मन में डर भी था –

"अगर मैं हार गई तो सब हँसेंगे फिर उसने माँ से कहा, माँ ने प्रेरित प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती हूँ अपनी मन की पहली सच्ची बात हमेशा हमें सही रास्ते पर ले जाती है।

Name – Muskan Kumari
Roll No – 27

पहल मनोभाव

पहली किरण सी चमक उठी थी,
जब कुछ नया करने की ठानी थी।
दिल में डर था, पर हिम्मत भी थी,
वो पहली कोशिश याद अभी भी है।

गिरकर सीखा, फिर संभल गए,
हर गलती से कुछ बदल गए।
पहला अनुभव सिखा गया ये,
हर शुरुआत में ही जीत छिपी है।

Name – Prity Kumari
Class – D.El.Ed. 1st year
Roll – 37
2025 – 27

पहल मनोभाव

मन में एक पहेली है
जो कभी नहीं सुलझती
एक अनजान दर्द है
जो हृदय में रहता है।
मन में एक तूफान है,
जो कभी नहीं थमता
एक अनजान डर है
जो मन को घेर लेता है
इस पहेली को समझने की कोशिश
एक अनोखा यात्रा है।
अपने आप को समझने का मौका
जो जीवन को सही दिशा में
मोड़ सकता है।

मुस्कान कुमारी
Roll – 44
D.El.Ed. 1st year
2025 – 27

पहल मनोभाव

मन में जब उजियारा होता,
हर कदम एक पहल बन जाता।
छोटा-सा भी नेक इरादा,
जीवन को सुंदर कर जाता।

मनभाव वश हर एक दिन
हृदय में खुशियों का द्वार खोले।
मीठी भाषा, सरल व्यवहार,
सबके दुख-सुख अपने में समेटे।

पहल से शुरू हो अच्छे काम
मनभाव से मिला जाए सम्मान।
इन दोनों का संग जब हो जाए।
बन जाए जीवन सच्चा वरदान।

Name – Santoshilla Soren
Roll no. – 16 (Sec A)
B.ed Sem II

पहल मनोभाव

पहली किरण जब छूती मन को,
कुछ अनजाना जाग उठता है।
बिना बोले ही दिल की धरती पर
एक नया एहसास उगता है।

पहली मुलाकात की हल्की धड़कन,
पहली हँसी की मीठी गूँज।
पहली चाह, पहला अपनापन,
जैसे मन को मिले कोई दूज।

पहली बार जो कुछ महसूस हुआ
वही पहलमनोभाव कहलाता है।
मन पहले ही थिरक उठे जैसे
हर एहसास नया बन जाता है।

पहला स्पर्श किसी हवा का हो,
या पहली बारिश की महक,
जो भी दिल को छू पार पहले
वही बन जाता है मन की डॉक।

पहला मनोभाव यूँ ही जीवन मे
नये अध्याय रचाता है,
पहली अनुभूति का कोमल पल
सदियों तक मन मे बस जाता है।

Name= Mousam Kumari
Roll no = 29
Class = D.El.Ed 1st YEAR

पहल मनोभाव

कौन कहता है कामयाबी
किस्मत से मिलती है,
किस्मत भी उसी का साथ देती है
जो दिल से मेहनत करता है।

Name - Chameli Murmu
Roll no - 44
Sec - 'A'
Class - B.Ed Sem III

पहल मनोभाव

पहल वही है, जहाँ कदम छोटा
हो
लेकिन इरादा बड़ा....
यही मनोभाव हर बदलाव की
शुरुआत बनता है।

Name - Puja Kumari
Roll - 32
Sem - III
Sec - A

Pahal Manobhav

Take the first step, don't wait for tomorrow
Turn every doubt into strength not sorrow.
A spark of courage lights up the way
Small beginnings grow brighter each day

Where there is initiative, progress begins,
Every efforts adds, every moment wins
Raise your hopes, let your dreams arise,
The world opens up when you
Truly try

Name - Riya Kumari
Roll - 30
D.El.Ed. 1st year

Article

The Moment When a baby Say " MAA".

The First time, a baby says "maa" is a moment filled with pure emotions. That tiny word carries the would of the word and their weight of endless love. A mother, who has held her child through sleepless nights and countless struggles, suddenly feels her heart melting. The baby is soft voice, innocent eyes, and small smile make the would stop for a moment.

In that single word "maa", a mother feels every sacrifice becoming worth it. It is not just a sound - it is a connection, a bond, a miracle. This connection, a bond, a miracle. This first experience stays in her heart forever, reminding her of the beautiful journey of motherhood.

Name - Muskan Kumari
Class - D.El.ED 1st yr.
Roll no - 11

पहल मनोभाव

बढ़े चलो

फूल बिछे हो या काँटे हो,
राह न अपनी छोड़ो तुम।
चाहे जो विपदायें आयें,
मुख को जरा न मोड़ो तुम।
खाना रहे या रहे न खाना,
हिम्मत मगर न छोड़ो तुम।
नहीं कृपा की भिक्षा माँगो,
कर न दीन बन जोड़ो तुम।
बस ईश्वर पर रखो भरोसा
पाठ प्रेम का पढ़े चलो।
जब तक जान बची हो तन में
तब तक आगे बढ़े चलो।

Name - Anjani kumari
Class - D.El.Ed (1st Year)
Roll no - 22

पहल मनोभाव

"पहल वही करता है
जो बदलाव की जिम्मेदारी खुद लेता है।

जहाँ पहल होती है,
वहीं प्रगति जन्म लेती है।

जो आगे बढ़कर करता है,
वही आगे बढ़कर पाता है।

पहल छोटी हो सकती है
पर असर बड़ा होता है।"

Name - Roshni Kisku
Class - B.Ed Sem-III
Roll no - 13

पहल मनोभाव

पहली किरण जब सूरज लाए
नयी उम्मीद जगाए
मन में हो कुछ करने की चाह
यही तो सच्ची पहल कहलाए
दूसरों की मदद को बढ़े जो हाथ
वो सबसे सुंदर बात।
बिना स्वार्थ के जो कुछ करें
वो मनोभाव दिल में बसे।
पहल वही जो डर मिटाए,
हार में भी जीत सिखाए,
छोटी कोशिश बड़ी बन जाए
जब मन में सच्ची भावना आए।

नाम - अनुपमा कुमारी
D.El.Ed
1st year, Roll - 50

Pahal Manobhav

MY FIRST LEARNING Experience

My first step into the class
A moment bright and new
Books are letter's all around
A world I never knew

Two teacher's smiled and gently said
'Learning starts today'
And with those words, my little fear
slowly walked away

My first word, my first small line
filled my heart with pride
A tiny spark of knowledge rose
like Sunshine deep inside.

From the day on I understood
How learning helps us grow
My first experience taught me that
There are more thing to know.

Name - Khusi Kumari
Roll - 09

पहल मनोभाव

पहला मनोभाव एक अहसास
जैसे मन में खिलता उजास
बिन कुछ कहे, बिन कुछ समझे,
दिल में जगती नई-सी प्यास।

नजर मिली तो धड़कन बोली
क्षणभर में दुनिया बदल गई,
पलकों पर कुछ सपने आए,
रुह तक खुशियों से भर गई।

पहली मुस्कान, पहला अपनापन
जैसे बादलों में चाँद छिपा हो,
छोटी सी बात, पर मन कह दें
यही तो अपना, यही तो अपना हो।

Pahal Manobhav

When the world grows silent & unsure
I choose to act with a heart ~~that~~ that's pure
Before a word is spoken aloud,
I step ahead, calm & proud.

A gentle spark becomes my guide,
Courage walking by my side,
No fear can hold a willing mind
I lead with actions strong & kind.

When others wait for someone to start,
I bring a hopeful, steady heart
A single step, a thoughtful move,
Can change far more than people prove.

To take initiative is to show
How bright a single soul can glow
With purpose clear and spirit true
I rise to do what I must do.

Name - Smriti Priya
Roll-No - 31
B.Ed Sem III
Sec - A
2024 - 202

पहल मनोभाव

पिया के आँगन में बच्चा नहीं
वो टूटी नहीं होती है।
पहल मनोभाव का दीप लिये,
वो फिर भी जीना सीखती है।

दुनिया चाहे कुछ भी बोले
वो हिम्मत से मुस्कान रखती है।
माँ होना सिर्फ जन्म नहीं
प्यार से परिभाषा लिखती है।

दर्द को दिल मे रखकर भी
वो सपनों को थामे रहती है।
पहल मनोभाव यही तो है
जहाँ लड़की हारकर भी जीतती है।

Name - Roshni Kumari
Roll no - 47
Class - B.Ed.Ed

माँ

रिश्तो के तो नाम कई हैं, पर माँ होना आसान नही हैं।
अपना हर एक ख्वाब भुलाकर, खुश रहना आसान नही हैं।

एक एक काम हैं माँ के जिम्मे, समय सारणी सरल नही हैं,
पल पल काम मे उलझे रहना, सच जानो आसान नही हैं।

माना ये एहसान नही हैं, किसी, किसी पर इल्जाम नही हैं,
पर अंतर्मन की अभिलाषा को भुला पाना आसान नही हैं,

घर छोड़ो तो घर बिगड़ेगा, मन तोड़ो तो मन बिगड़ेगा,
दोनो को समेट के चलना, ये भी तो आसान नही हैं

सबसे कठिन तो तब लगता हैं, जब कोई नही समझ पाये
ये कि कैसे माँ ने पुरी की हैं हर रिश्ते की जिम्मेदारी

कर कर के भी नाम ना मिलना, हक का वो सम्मान ना
मिलना, हसकर सब कुछ टालते रहना बिल्कुल भी
आसान नही हैं।

नाम - मधु कुमारी
रौल नं० - 15

पहल मनोभाव

"सच्चा मनोभाव तो उस
पहली क्रिया मे है,
जो निष्क्रियता के भय
को मिटा दे।"

Name:- Eva Anjali Besra
Class - B.Ed (Sem III)
Roll no - 38

पहल मनोभाव

पहला कदम जो बढ़ाता है,
वो नई राह बनाता है।
हिम्मत से जो काम करे,
हर मंजिल वो नाम करे।

अंधियारे में दीप जलाए,
डर को पीछे दूर भगाए।
पहल से सपने सच होते,
जीवन में उजियारे होते।

Name - Mandakini Kumari
Roll - 16
D.El.Ed 1st year

पहल मनोभाव

जीवन की राहो में,
कभी हार नही मानना हैं।
सपनों को पूरा करने के लिए,
निरंतर प्रयास करना है।

जीवन में उतार-चढ़ाव आते है,
लेकिन हमें हार नहीं मानना है।
साहस और धैर्य के साथ,
आगे बढ़ते रहना हैं।

जीवन की यात्रा में,
नई चीजे सीखने को मिलती है।
नए अनुभवों से,
हम और मजबूत होते हैं।

तो आइए जीवन की राहों पर,
आगे बढ़ते चलें।
सपनों को पूरा करने के लिए,
निरंतर प्रयास करते चलें।

Name - Manya Raj
class - D.El.Ed.
Sem - 02
Roll - 02 (2025-27)

पहलमनो माठ

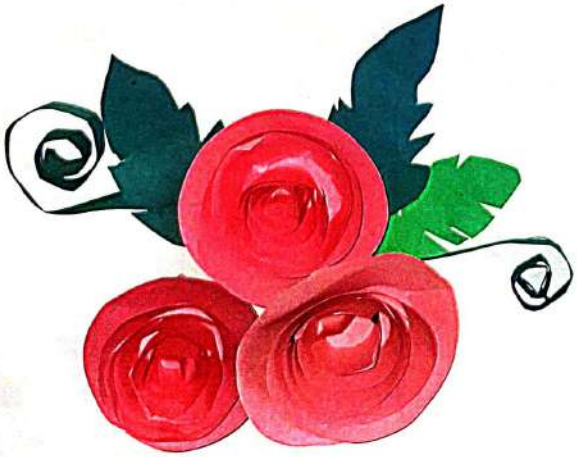

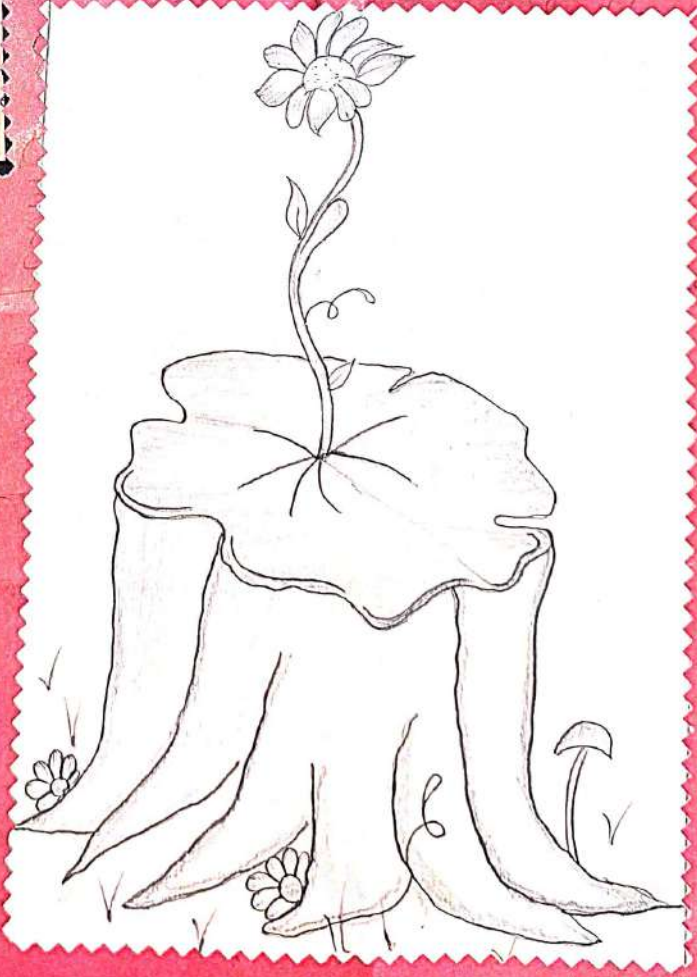

पहलमनो माठ

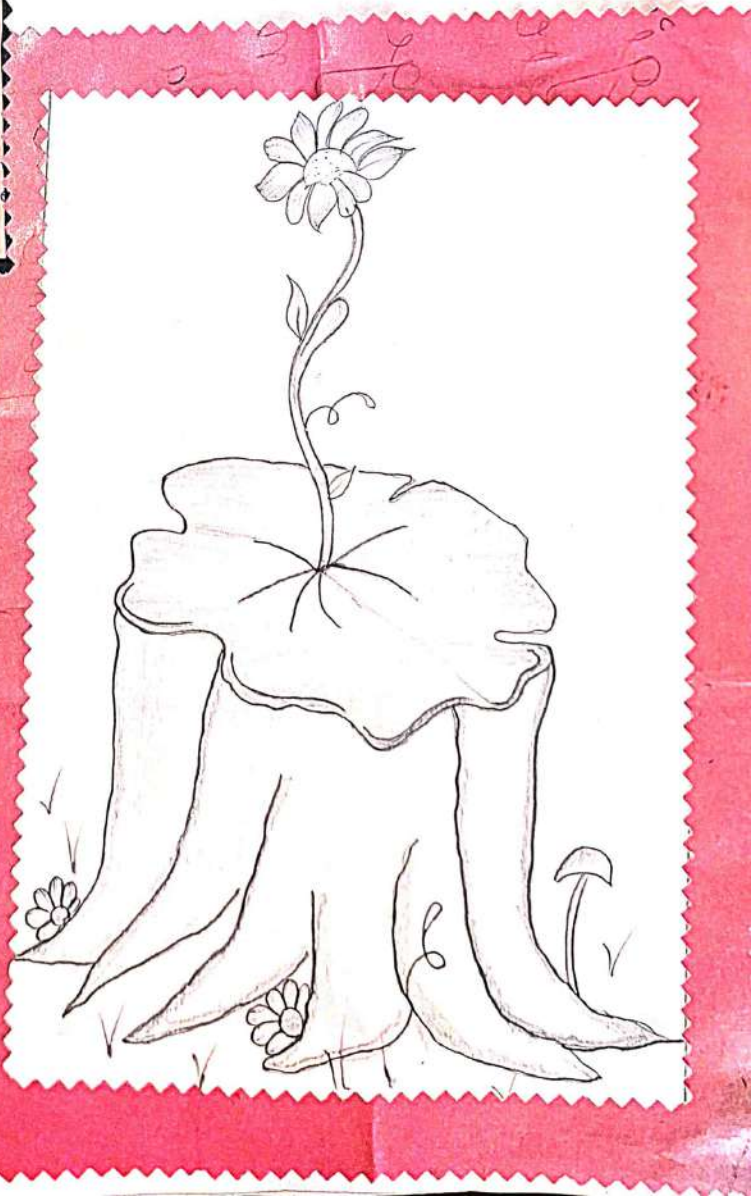

पहल मनोभाव (कविता)

पहल मनोभाव वह मधुर विचार
जो भर देता मन में प्रेम अपार,

छोटी-सी नेकी, छोटा-सा काम,
बना देता जीवण खुशियों का धाम।

एक मुस्कान भी उपकार बन जाती,
थकी हुई राहों में रोशनी लाती।

मीठे शब्द दिलों को छू जाते
कठिन पलों को सरल बना जाते।
जहाँ हो करुणा, जहाँ हो दया
वही बसता मानवता का गृह नया।

पहल मनोभाव की यही पहचान
भलाई से बढ़ता है इंसान का मान।

Name - Renu kumari
Roll no. - 27
D. El. Ed - 2025-27

पहल मनोभाव

पहल मनोभाव झलक देता है, पर सच पूरा नहीं बताता। पहल मनोभाव तुरंत बनता है, पर समझ के साथ आती है। हर पहल मनोभाव को अंतिम सत्य न माने, पहल मनोभाव राह दिखा सकता है, दिशा नहीं तय कर सकता।
सोच समझकर परखा जाए तो पहल मनोभाव भी मार्गदर्शक बन सकता है।

नाम - निधि कुमारी
रोल न० - 33

पहल मनोभाव

पहल वही है, जहाँ कदम छोटा हो लेकिन इरादा बड़ा -
यही मनोभाव हर बदलाव की शुरुआत बनता है।"

Name - Puja kumari
Roll - 82
Sem - III
Sec - A

Pahal Mnobhav

When the would stands still in doubt, And no clear path is marked throughout. A spark within begins to rise — intiative opens hidden skies.

No waiting for a guiding call,
No fear of stumble or a fall.
A brave first step, a steady start, shows strength of mind and courage of heart.

To act before the moments gone.
To lead the way, to carry on
Such spirit shapes the dreams we chase,
And moves les to a higher Place.

For those who dare to step ahead.
Are the Ones, the future gently led.
With will so pure and thoughts so bright Initiative becomes their guiding light.

पहल मनोभाव

ना जाने कितने वीरों ने
अपनी जान गंवाई थी
तब जाकर मेरे भारत ने
सही स्वतंत्रता पाई थी ॥

ये धरती भी हमारी थी
आकाश हमारा था
पर ब्रिटिश के शासन
से कुछ भी न हमारा था ॥

मंगल, भगत आजाद
सबने लड़ी लड़ाई थी
तब जाकर मेरे भारत
ने सही स्वतंत्रता पायी थी ॥

एक समय था जब ये भारत
सोने की चिड़िया कहलाता
था यही देखकर हर विदेशी
हर बार हथियाना चाहता है ॥

अंग्रेजो के छक्के छुड़ाकर
लक्ष्मीबाई ने जान गंवाई थी
तब जाकर मेरे भारत ने
सही स्वतंत्रता पाई थी ॥

अंग्रेज यहाँ जो आये थे
उसमें कहीं तो कमी हमारी थी
कुछ अपनों के मन में ही
बस गयी बड़ी गद्दारी थी ॥

Name - Riya Bharti
Rollno - 19
Class. D.El.Ed

पहल मनोभाव

जो खुद पहल करने निकला,
वो ही दुनिया को बदलता है।
हौसलों से काम बड़े होते,
डर से छोटे हो जाते हैं ॥

पहल वही जो दिल से निकले
भलाई की राह दिखाती हो।
कदम छोटा हो या बड़ा,
बात सिर्फ शुरुआत की है ॥

चलो उठें, एक कदम बढ़ाएँ,
स्वयं बदलें, जग बदलाएँ।
नयी सोच और सच्चे भाव से,
हर दिन नई शुरुआत बनाएँ ॥

Name - Surbhi Barnwal
Class - B.Ed (Sem III)
Rollno - 35
Session - 2024-26

कविता

पहल मनोभाव

मन में जब उमंग जगती है,
राहें खुद बन जाती हैं।
पहल करने वाला इंसान
मुश्किल से भी लड़ जाता है।

जो पहला कदम बढ़ाता है,
वही नई दिशा दिखाता है।
साहस, हिम्मत और उम्मीद,
उसको आगे बढ़ाती है।

पहल मनोभाव वो ताकत है,
जो सपनों को सच करती है।
दिल में हो विश्वास अगर
तो हर मंजिल पास लगती है।

नाम - काजल कुमारी
वर्ग - B.Ed, Sem-III
रोल न. - 115 (C)

* पहल मनोभाव (कविता) *

मन में जो भाव उमड़ते हैं
वो शब्दों में कब ढलते हैं
कभी खुशी के फूल खिलाते
कभी आँखों से छलकते हैं

मनोभाव ही तो जीवन है,
रंगों से भरी कहानी,
कभी भोर की कोमल किरणें,
कभी शाम की हल्की निशानी

दिल में छिपे अरमान हमारे,
सबको कुछ कहना चाहें,
पर हर एहसास जरूरी तो नहीं
हम हर बार जतला पाएं

चलो आज हम भी सीखें
भावों का मान बढ़ाएं
अपने मन की बातों से भी
दिलों में प्रेम जगाएं

Name :- Twinkle kumari
Class — B. Ed
Sec — C
Roll No — 114

पहल मनोभाव

"सच्चा मनोभाव तो उस पहली क्रिया में है; जो निष्क्रियता के भय को मिटा दे।"

Name- Eva Anjali Besra
Class- B.Ed Sem III
Roll no. - 38

पहल मनोभाव

पहल मनोभाव झलक देता है, पर सच पूरा नहीं बताता। पहल मनोभाव तुरंत बनता है, पर समझ के साथ आती है। हर पहल मनोभाव को अंतिम सत्य न मानें, पहल मनोभाव राह दिखा सकता है, दिशा नहीं तय कर सकता। सोच समझकर परखा जाए तो पहल मनोभाव भी मार्गदर्शक बन सकता है।

नाम- निधि कुमारी
रोल नं० - 33

पहल मनोभाव

"पहल वही करता है
जो बदलाव की जिम्मेदारी खुद लेता है।
जहाँ पहल होती है,
वहीं प्रगति जन्म लेती है।
जो आगे बढ़कर करता है,
वही आगे बढ़कर पाता है।
पहल छोटी हो सकती है,
पर असर बड़ा होता है।"

Name - Roshni Kisku
Class - B.Ed (Sem III)
Roll no - 13

पहल मनोभाव

जब जीवन की राहों में,
अंधकार छा जाता है।
मनोभावों के सागर में,
भय का ज्वार उमड़ जाता है।

तब भीतर से उठती एक,
छोटी सी आवाज है।
कहती "डरना मत साथी,
अब तेरी ही शुरुआत है।"

यही पहल का मनोभाव
यही हिम्मत की निशानी है।
जब कदम स्वयं उठते हैं
लिखी नई कहानी है।"

मत सोचो क्या होगा
परिणाम की चिंता छोड़ो
बस कर्मपथ पर बढ़ते जाओ
संशय की जंजीरें तोड़ो।

मंजिल उसी को हासिल है,
जो चलने की पहल करता है।
इतिहास गवाह है, यही यही,
सपनों को साकार करता है।

Name - Suleikha Kumari
Roll no - 14
Class - D.el.ed

पहल मनोभाव

पहली किरण जब आती है,
नया उजाला छा जाता है।
हर दिल में एक एहसास जगाता,
कुछ करने का जज्बा आता है।

पहला मनोभाव यही सिखाता
हर आरंभ में ताकत होती है।
जो मन से सोचो, कर डालो,
जीवन में वह जीत होती है।

चल पड़ो विश्वास लिए,
हर राह आसान बन जाएगी।
पहला मनोभाव जो रखो
मंजिल खुद पास आ जाएगी।

नाम - तनुजा कुमारी
रोल - 07 (2025-2027)

Pahal Manobhav

"Success doesn't come from what you do occasionally
It comes from what you do consistently
Keep moving even when the progress Seem slow."

पहल मनोभाव

कभी-कभी जिंदगी ठहर जाती है,
जैसे समय ने साँसें रोक ली हों,
पर तभी मन के भीतर
एक हल्की सी तरंग उठती है,
उसे ही पहल कहते हैं।

ये तरंग कहती है,
"चलो, एक बार फिर कोशिश कर देखते हैं"
और हर कोशिश
जैसे किसी पुराने घाव को
नर्म, धीमे हाथों से सहलाती है।

मनोभाव उस तरंग का संगीत है-
जिसमें छिपी होती है,
हमारी सारी चाहतें, डर, संकोच, उम्मीद और
वो अनकहा साहस
जो हमें खुद भी नहीं पता होता

Name-Mahima Murmu
Class- B.ED Sem III
Roll No - 17
Sec - 'A'

पहला मनोभाव

पहली सुबह की पहली किरण
लाती है जीवन में नयापन
पहली बूंद जब बरसे प्यारी
धरती हो जाए खुशहाली

पहला कदम जब बढ़ाता आगे
डर छूटे मत जाए जागे
पहली जीत का पहला सुख
भर दे हृदय में नई मुस्कान

हर शुरुआत एक संदेश है
हर अनुभव एक विशेष है
पहला मनोभाव यही बताता
विश्वास ही जीवन का नाता

सपना कुमारी
रोल नं० - 10
D. El. Ed. 1st Year

Love and hatred

Everyone writes about love,
NO, One writes about hatred
Yet, often hatred is more intense than love
Wishes are made for love to remain love.

Wishes are made for love to remain
eternal,
But mostly, love keep changing,
Sometimes turning into jealausy and
hatred,
And often into boredom and Sadness. However
One Should always hope.
Thhat love never reaches such as end.
And many times it happens That beneath
the boredom, sadness, jealosy, and hatred
Still floats a gentle emotion which life's
light only recognizes as love.

Name - Muskan kumari
Rollno - 03.

जिन्दगी

जो छूट गया उसका क्या
मलाल करे,
जो हासिल है चल उस से ही
सवाल करें !!
बहुत दूर तक जाते है यादों के
काफिला
फिर क्यों पुरानी यादों में सुबह
से शाम करे।
माना एक कमी सी है, जिंदगी
थमी सी है,
पर क्यों दिल की धड़कनों को
दर-किनार करे !!
मिल ही जाएगा जीने का कोई
नया बहाना,
आ जरा इत्मीनान से किसी खास
का इंतजार करे !!

Name - Ragini Mishra
Class - B.Ed. SEM III
Roll - 117
[illegible]

पहल मनोभाव

पहली किरण जब छूती मन को,
कुछ अनजाना जाग उठता है।
बिन बोले ही दिल की धरती पर
एक नया एहसास उगता है।

पहली मुलाकात की हलकी धड़कन
पहली हँसी की मीठी गूँज।
पहली चाह, पहला अपनापन
जैसे मन को मिले कोई फूल।

पहली बार जो कुछ महसूस हुआ
वही पहल मनोभाव कहलाता है।
मन पहले ही थिरक उठे जैसे,
हर एहसास नया बन जाता है

पहला स्पर्श किसी हवा का हो,
या पहली बारिश की महक
जो भी दिल को छू जाए पहले
वही बन जाता है मन की डाँक।

पहल मनोभाव यूँ ही जीवन में
नये अध्याय रचाता है,
पहली अनुभूति का कोमल पल
सदियों तक मन में बस जाता है

Name-Mausami Kumari
Roll no - 29
class - d.el.ed (1st year)

पहल मनोभाव

पहले दिन स्कूल गया था मैं,
मन में था थोड़ा सा भय।
कितनी भीड़, कितनी बातें,
ना जानूँ कौन है अपना, कौन पराया।

तभी आई मैडम मुस्कुराती हुई,
बोली - "इतना नहीं, सब अच्छे हैं, अभी
उनकी आँखों में था स्नेह का भाव,
मन में जग गया पहला प्रभाव।

वो था मेरा पहला मनोभाव,
प्यार, विश्वास और स्वभाव।
शिक्षक का स्नेह जो मन में आया,
जीवन का पहला पाठ सिखाया।

Name - Kanchan Kumari
Roll - 08
class - D.El.Ed (1st Year)

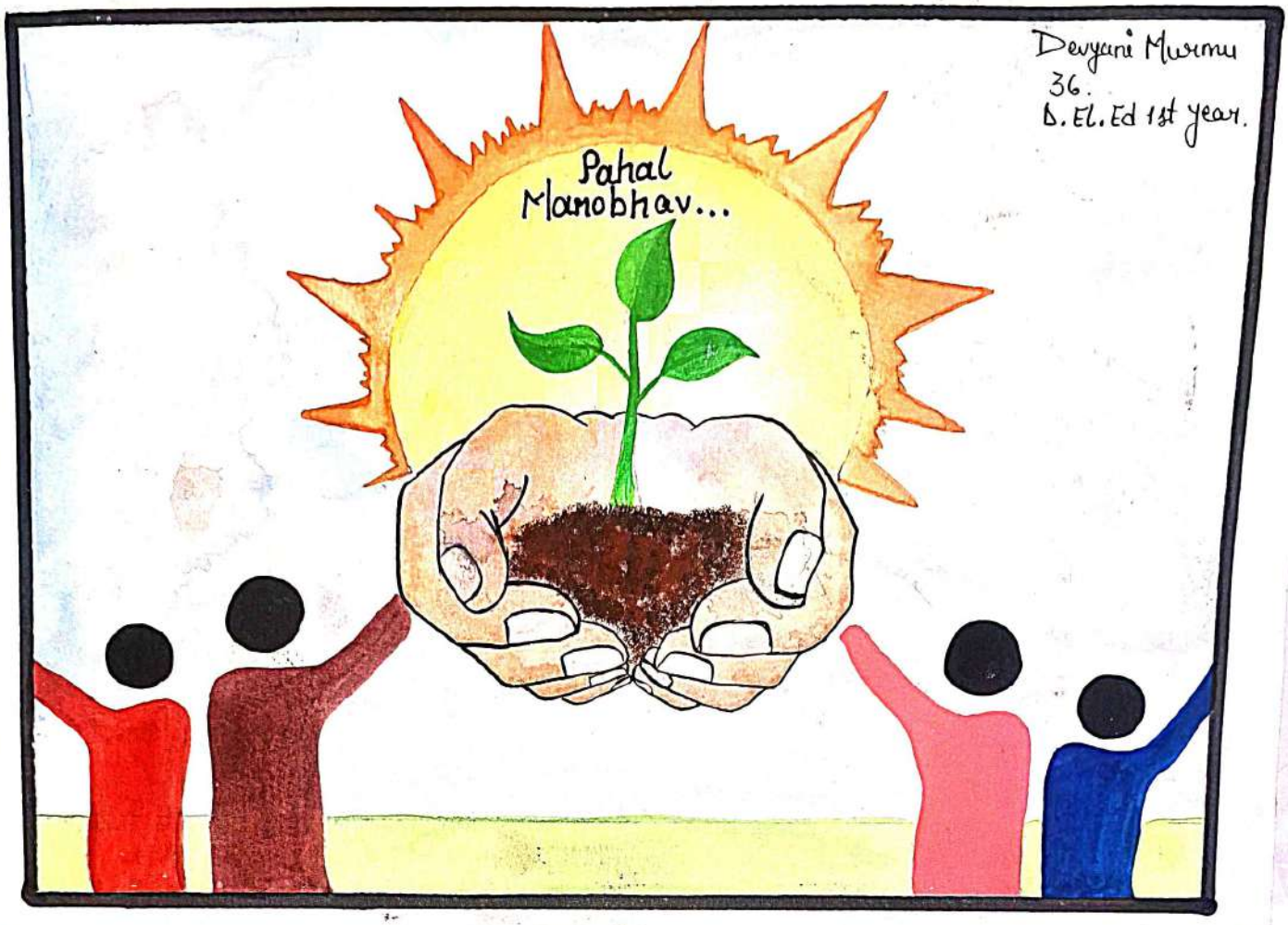

पहला मनोभाव

वो क्षण जब मन में एक नई
लहर उठती है,

पुरानी राहों से हटकर,
नई दिशा चुनती है।

हिचक को तोड़कर,
जब कदम आगे बढ़ता है।

यही है पहल जो नया संसार
गढ़ता है।
एक छोटी सी चिंगारी, जो भीतर
जलती है;
डर के बादलों को चीरकर, उम्मीद
निकलती है।

यह सिर्फ शुरुआत नहीं, यह जीवन का सार है,
मनोभाव पहल का, हर सपने की पुकार है।

Name - Neha Jha
Class - B.ed (Sem III)
Roll no. - 43

Pahal Manobhav

Take the fuist step, dont wait for a sign
A small bright spark can make the world shine

When courage meets action, mountain move aside
with "Pahal Manobhav" let kindness be youre guide

Begin with a smile, begin with a thought
Great changes are born from the simplest spot

Lead with your heart, let goodness grow
Plant one seed of hope - watch a forest glow.

Every new efforts starts with "I Com"
Every big journey begins with one plan

So rise with intention be brave be true
The sprit of initiative lives in you.

Name - Aakriti Kumari
Class - B.Ed.
Roll - 109
Sec - C

पहल मनोभाव (कविता)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

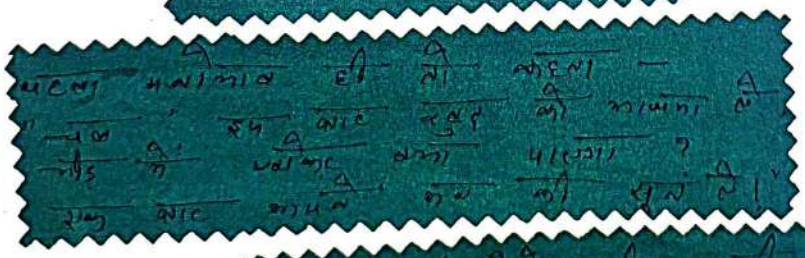

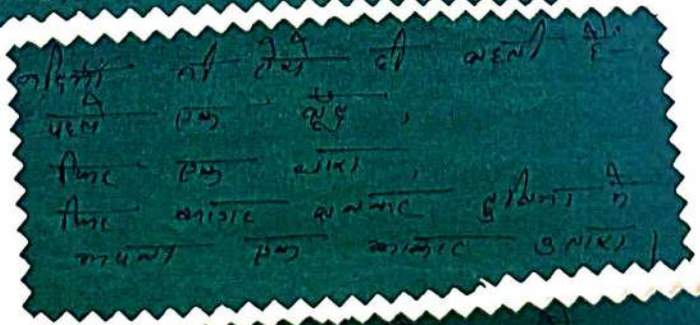

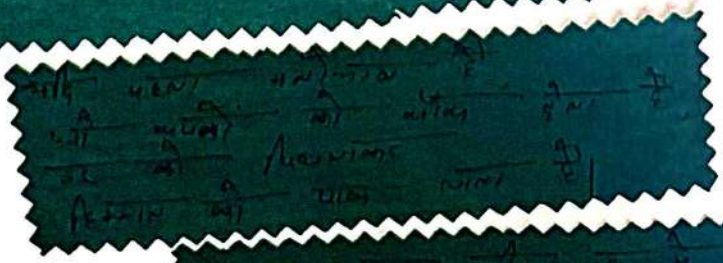

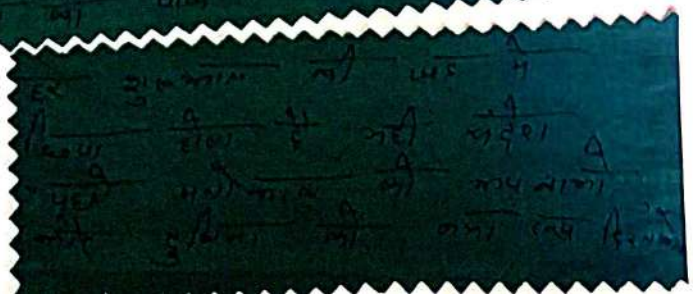

Thank You